मस्तनाथ मठ पर एक नजर....

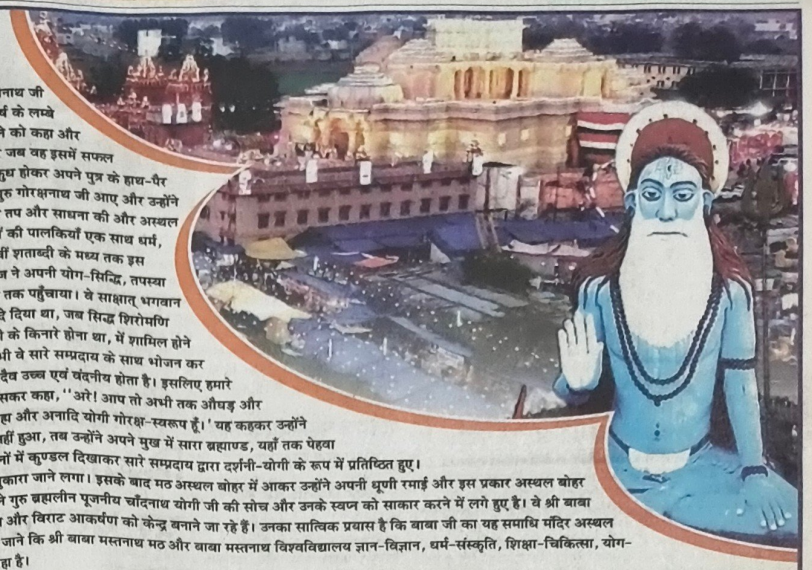

श्री बाबा मस्तनाथ मठ, अस्थल बोहर की स्थापना सिद्ध चौरंगीनाथ जी ने आठवीं शताब्दी में की थी। बाबा चौरंगीनाथ जी को पूरण भगत के नाम से भी जाना जाता है। ये सियालकोट के राजा शालिवाहन की बड़ी रानी के पुत्र थे। 12 वर्ष के लम्बे अंतराल के बाद वह अपने पिताश्री से मिलने गये। पिता श्री न उनसे मिलने से पहले अपनी मौसी (विमाता) से मिलने को कहा और जब वह अपनी विमाता से मिले, तब वह उनके रूप पर आशक्त हो गई। विमाता ने उन्हें मोहने की कोशिश की और जब वह इसमें सफल न हुई, तब उन्होंने राजा से शिकायत की कि आपके पूरणमल ने मेरा शील भंग करने की कुचेष्टा की है। राजा ने क्रुध होकर अपने पुत्र के हाथ-पैर कटवाकर सियालकोट के पास एक कुएँ में डलवा दिया। जनश्रुति के अनुसार उस रास्ते से उस कुएँ पर महायोगी गुरु गोरक्षनाथ जी आए और उन्होंने अपनी योग माया से उनके चारों अंग पूर्ण किए, इसलिए चौरंगीनाथ कहलाए। कालांतर में चौरंगीनाथ जी ने कठोर तप और साधना की और अस्थल बोहर में मठ की स्थापना कर उसे चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया। एक जनश्रुति के अनुसार उस समय इस मठ से 84 सिद्धों की पालकियाँ एक साथ धर्म, संस्कृति, सभ्यता एवं समाज के विकास के कार्यों हेतु निकलती थीं, किन्तु काल के प्रवाह में 13वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक इस प्राचीन मठ की गरिमा एवं वैभव क्षीण होता चला गया और फिर 18वीं शताब्दी में सिद्ध बाबा मस्तनाथ जी महाराज ने अपनी योग-सिद्धि, तपस्या तथा चमत्कारों से तमाम मुसलमान एवं हिन्दू राजाओं को प्रभावित कर इसकी समृद्धि और श्रीवृद्धि को चरम सीमा तक पहुँचाया। वे साक्षात् भगवान श्री गोरक्षनाथ जी के अवतार थे और अपने आप में सम्पूर्ण होने का उदाहरण तब उन्होंने पेहवा में सरस्वती नदी पर दे दिया था, जब सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्ताईनाथ जी (मस्ता को गुरु का दिया नाम) ने दर्शनी योगियों के सामूहिक-भोज, जो पेहवा में सरस्वती नदी के किनारे होना था, में शामिल होने के लिए यह शर्त रखी कि यदि वे बारह पंथों के बारह भण्डारी, बारह कंबल और बारह गायें भेंट में लाकर देवें, तभी वे सारे सम्प्रदाय के साथ भोजन कर सकते हैं। यह सुनकर दर्शन योगियों का क्रोध फूट पड़ा। उन्होंने कहा आप तो औघड़-संन्यासियों से दर्शनी योगी सदैव उच्च एवं वंदनीय होता है। इसलिए हमारे द्वारा औघड़ संन्यासी को भेंट देने से सारे सम्प्रदाय की मर्यादा ही भंग हो जाएगी। इस पर बाबा मस्ताईनाथ जी ने हँसकर कहा, ''अरे! आप तो अभी तक औघड़ और दर्शनी के विवाद में ही उलझे हुए हो। इसलिए आप लोग तो सत्य को ही नहीं पहचानते हो! मैं तो सम्पूर्ण, शाश्वत ब्रह्म और अनादि योगी गोरक्ष-स्वरूप हूँ।' यह कहकर उन्होंने अपना मुँह खोलकर सतयुग, त्रेता, द्वापर एवं कलयुग तक दिखा दिए, परन्तु जब इतने में भी उनका संशय समाप्त नहीं हुआ, तब उन्होंने अपने मुख में सारा ब्रह्माण्ड, यहाँ तक पेहवा में लगे दर्शनी-योगियों के उस मेले का भव्य दृश्य भी दिखा दिया और योगबल से ही अपने शरीर पर नाद तथा कानों में कुण्डल दिखाकर सारे सम्प्रदाय द्वारा दर्शनी-योगी के रूप में प्रतिष्ठित हुए। सारे सम्प्रदाय द्वारा पूजा करने के कारण उन्हें मस्ताईनाथ के बजाय सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी के नाम से पुकारा जाने लगा। इसके बाद मठ अस्थल बोहर में आकर उन्होंने अपनी धूणी रमाई और इस प्रकार अस्थल बोहर मठ एवं गद्दी सिद्ध शिरोमणि बाबा को पाकर धन्य एवं पूजनीय हो गई। वर्तमान में बाबा बालकनाथ जी योगी अपने गुरु ब्रह्मलीन पूजनीय चाँदनाथ योगी जी की सोच और उनके स्वप्न को साकार करने में लगे हुए है। वे श्री बाबा मस्तनाथ जी के समाधि मन्दिर को पुरातन और अधुनातन कला के रचनात्मक संगम के माध्यम से अति दिव्य, भव्य और विराट आकर्षण को केन्द्र बनाने जा रहे हैं। उनका सात्विक प्रयास है कि बाबा जी का यह समाधि मंदिर अस्थल बोहर का ही नहीं, रोहतक-हरियाणा का ही नहीं, भारत का ही नहीं; वरन् दुनिया भर में प्रतिष्ठित हो और संसार यह जाने कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय ज्ञान-विज्ञान, धर्म-संस्कृति, शिक्षा-चिकित्सा, योग-अध्यात्म, मानवमूल्य-चरित्र आदि विषयों के द्वारा 'विधेयम् जन सेवनम्' के मंत्र को किस प्रकार से चरितार्थ कर रहा है।

श्रीयुत योगी रणपतनाथ जी   श्रीयुत योगी धातानाथ जी

सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी महाराज

की पुण्य स्मृति में लगने वाला

सालाना मेला

श्रीयुत चाँदनाथ जी महाराज
तिथि द्वादशी, आसोज माह, कृष्ण पक्ष
अवतरण - 21 जून, 1956 स्वर्गारोहण - 17 सितम्बर, 2017

दिनांक : 21,22,23 मार्च, 2021, तदानुसार तिथि शुक्ल पक्ष : सप्तमी, अष्टमी, नवमी

अतः इस अलौकिक समागम में सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त कर पुण्य के भागी बनें।

ये योगी रहे मठ के महंत

श्रीयुत तोतानाथ जी

श्रीयुत मेघनाथ जी

श्रीयुत मोहरनाथ जी

श्रीयुत चेतनाथ जी

श्रीयुत पूर्णनाथ जी

श्रीयुत श्रेयोनाथ जी

श्रीयुत चाँदनाथ जी महाराज

विशाल इनामी कुश्ती दंगल

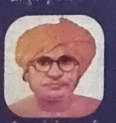

दिनांक : 23 मार्च, 2021

पहला इनाम ₹ 151000/-	दूसरा इनाम ₹ 100000/-
तीसरा इनाम ₹ 51000/-	चौथा इनाम ₹ 31000/-

इस बहुआयामी आध्यात्मिक मेले में आप सभी सादर आमंत्रित हैं। सभी महानुभाव, साधु-संत, योगी-संन्यासी, माता बहनें, बच्चे-बुजुर्ग एवं श्रद्धालु, परिजन-पुरजन-स्वजन के साथ पहुंचकर मेले का आनन्द उठायें तथा बाबा जी की दिव्य कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करें।

शुभचिंतक
महंत बालकनाथ जी योगी
सांसद, अलवर
गद्दीनशीन महंत, मठ अस्थल बोहर,
कुलाधिपति, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर, रोहतक

मंदिर का निर्माण बनेगा रोहतक की शान

बाबा मस्तनाथ मठ की ओर से अस्थल बोहर में अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर मस्तनाथ मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। इस मंदिर के अंदर 186 पिल्लर लगाए जा रहे हैं। मंदिर की ऊँचाई 108 फीट रहेगी। साथ ही, मंदिर की चौड़ाई 250 फीट और लंबाई 300 फीट है। इस पूरे मंदिर के निर्माण में 2 लाख 18 हजार घन फीट पत्थर का इस्तेमाल किया जा रहा है। मठ के संरक्षक ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण भविष्य में रोहतक के लिए मील का पत्थर साबित होगा तथा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं व दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा तथा इस मंदिर के निर्माण से रोहतक का नाम गौरन्वित होगा। उन्होंने बताया कि यह मंदिर लगभग 35 एकड़ में बनेगा, जिससे कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या का

श्रीयुत योगी चाँद नाथ जी

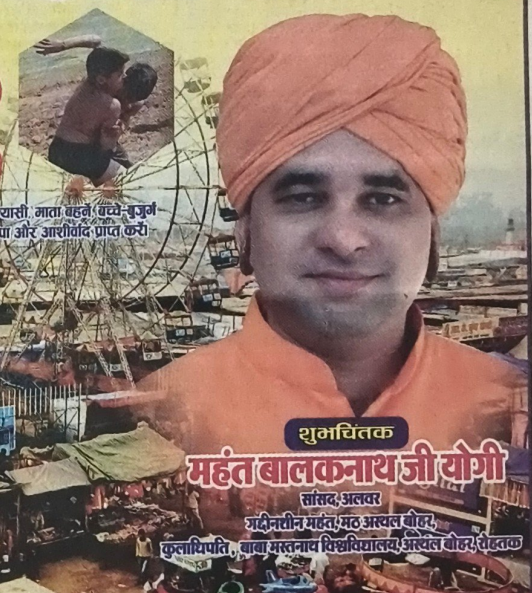

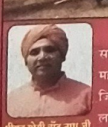

श्रीयुत योगी श्रेयोनाथ जी (एक श्रेष्ठ वैद्य) ने सबसे पहले 1957 में शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में आयुर्वेद महाविद्यालय के रूप में एक पौधा अस्थल बोहर में लगाया, जिसे श्रीयुत योगी चाँदनाथ जी ने अपनी कड़ी मेहनत एवं लगन से विश्वविद्यालय के रूप में विशालकाय बनाया जो

मठ द्वारा संचालित मस्तनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे पाठ्यक्रमों पर एक नजर

BAMS, BBA, BCA, MBA, MCA, B.Com, M.Com, B.Tech. (CSE, ECE, ME and CE), M.Tech. (CSE, ECE, ME and CE), BA, MA (Hindi, English, Pol.Sci., Pub.Adm., Geography, History, Sociology, Skt, Maths and Economics) D.Ed, B.Ed, MA (Edu.) BALLB, LLB, LLM, Prajana, Vishard, Shastri, Acharya, DPT, BPT, MPT, B.Sc (Medical and Non-Medical), M.Sc. (Chemistry, Physics, Botany, Zoology and Maths), B.Sc. and M.Sc. (Home Science), D.Pharma, B.Pharma, M.Pharma, ANM, GNM, PB.B.Sc (Nursing) and Ph.D and Sr. Sec. Schools at Rohtak and Asthal Bohar and group of hospitals like Eye Hospital, General Hospital, Ayurvedic Hospital, Physiotherapy Hospital and Dental Hospital.

BMU
BABA MASTNATH UNIVERSITY
www.bmu.ac.in

Asthal Bohar, Rohtak, NH-10
NCR, Haryana, 124021, INDIA
www.bmu.ac.in
Email: registrarbmu@gmail.com

SHRI BABA MASTNATH
SR. SEC. RESI. PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to CBSE New Delhi)
Asthal Bohar Branch, Rohtak
Ph : 9053066641/42 | www.sbmnssrps.com